Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. कोपेन ने जलवायु वर्गीकरण में कौनसी पद्धति का प्रयोग किया?

(अ) आनुभविक (ब) अनुप्रयुक्त
(स) उपरोक्त दोनों (द) जननिक

2. उष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु के अन्तर्गत निम्न क्षेत्र आते हैं-

(अ) दक्षिणी-पूर्वी एशिया द्वीप (ब) पश्चिमी विषुवतीय अफ्रीका
(स) अमेजन बेसिन (द) उपर्युक्त सभी

3. कोपेन ने सम्पूर्ण विश्व को कितने जलवायु समूहों में विभाजित किया?

(अ) पाँच (ब) सात
(स) बारह (द) तीन

4. उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु पाई जाती है?

(अ) भूमध्य रेखा और कर्क रेखा के मध्य (ब) ध्रुवों पर
(स) कर्क रेखा और मकर रेखा के मध्य (द) भूमध्य रेखा और मकर रेखा के मध्य

5. निम्नलिखित में से कौनसा साल विश्व का सबसे गर्म साल माना गया है?

(अ) 1990 (ब) 1998
(स) 1950 (द) 1885

6. लीबिया के किस स्थान में 13 सितंबर, 1922 को उच्चतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था?

(अ) अल-अजीजिया (ब) तवान
(स) टिकारी (द) त्रिपोली

7. ज्वालामुखी उद्भेदन वायुमंडल में बड़ी मात्रा में कौन-सा पदार्थ फेक देता है?

(अ) ऐरोसोल (ब) अल्कोहल
(स) अवशिष्ट (द) अवसाद

8. वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने के लिए 1997 ई. में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कौनसा पर्यावरण सम्मेलन किया गया था?

(अ) क्योटो प्रोटोकॉल (ब) कोपेनहेगन सम्मेलन
(स) जोहान्सवर्ग सम्मेलन (द) रियोडि जनेरो पृथ्वी सम्मेलन

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

9. ईसा से लगभग 8000 वर्ष पूर्व राजस्थान मरूस्थल की जलवायु किस प्रकार की थी?

(अ) शुष्क एवं शीतल (ब) शुष्क एवं गर्म

(स) आर्द्र एवं शीतल (द) आर्द्र एवं गर्म

10. जलवायु पर पड़ने वाला सबसे महत्वपूर्ण मानवोद्भवी कारण वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों का बढ़ता सांद्रण है। इससे क्या हो सकता है-

(अ) जल प्रदूषण (ब) वायु प्रदूषण

(स) भूमंडलीय ऊष्मन (द) भूमि प्रदूषण

रिक्त स्थान

11. जलवायु का वर्गीकरण तीन वृहत् उपागमों आनुभविक, जननिक और _____ द्वारा किया गया।

12. समूह A की जलवायु में औसत तापमान _____ से अधिक होता है।

सत्य/असत्य

13. मध्य कैलिफोर्निया की भूमध्य-सागरीय प्रकार की जलवायु है।

14. Cfa जलवायु वाले क्षेत्रों में दैनिक तापांतर बहुत कम होता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. वर्गीकरण की जननिक प्रणाली आनुभविक प्रणाली से किस प्रकार भिन्न है?

16. उच्च भूमि जलवायु (F) के बारे में बताएँ?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. जलवायु के वर्गीकरण के लिए कोपेन के द्वारा किन दो जलवायविक चरों का प्रयोग किया गया है।

18. भूमध्यसागरीय जलवायु (Cs) के बारे में व्याख्या करें। ।

निबंधात्मक प्रश्न

19. किस प्रकार की जलवायुओं में तापांतर बहुत कम होता है?

20. भूमंडलीय ऊष्मन क्या है? इसके प्रभावों की व्याख्या कीजिए।

HOTS

21. किस प्रकार ज्वालामुखी-क्रिया जलवायु में परिवर्तन करती है?

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. **(अ)**
कोपेन में जलवायु वर्गीकरण में आनुभविक पद्धति का प्रयोग किया।

2. **(द)**
उष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु के अन्तर्गत ये क्षेत्र आते हैं: अमेजिन बेसिन, दक्षिण-पश्चिम ऐशिया द्वीप, पश्चिमी विषुवतीय अफ्रीका।

3. **(अ)**
कोपेन में सम्पूर्ण विश्व को पाँच जलवायु समूहों में विभाजित किया। उष्णकटिबंधीय जलवायु, शुष्क जलवायु, शीत हिम वन जलवायु, ध्रुवीय जलवायु और उच्च भूमि जलवायु।

4. **(स)**
उष्णकटिबंधीय आर्द्र जलवायु कर्क व मकर रेखा के मध्य पाई जाती है।

5. **(ब)** 1998

6. **(ब)**
लीबिया के अल-अजीजिया स्थान में 13 सितंबर, 1922 को उच्चतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह 1922 से 2012 तक विश्व का सबसे गर्म स्थान माना जाता रहा।

7. **(अ)**
ज्वालामुखी उद्भेदन वायुमंडल में बड़ी मात्रा में ऐरोसोल पदार्थ फेक देता है।

8. **(अ)**
क्योटो प्रोटोकॉल : क्योटो प्रोटोकॉल जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन से संबंधित एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता है जिसमें शामिल भागीदार देश उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों के प्रति अंतरराष्ट्रीय रूप से सम्मिलित है।

9. **(स)**
पश्चिमी भारत में राजस्थान का जलवायु आम तौर पर शुष्क या अर्ध-शुष्क है तथा ईसा से लगभग 8000 वर्ष पूर्व राजस्थान मरूस्थल की जलवयु आर्द्र एवं शीतल प्रकार की थी।

10. **(स)**
ग्रीन हाउस गैसें ग्रह के वातावरण या जलवायु में परिवर्तन और अंतत: भूमंडलीय ऊष्मीकरण के लिए उत्तरदायी होती है।

11. अनुप्रयुक्त

12. 18°C

13. सत्य

14. सत्य

15. जननिक प्रणाली मौसमी प्रक्रियाओं के आधार पर इनके निर्माण के कारणों/उद्भव पर जोर देता है। यधपि आनुभविक प्रणाली जलवायिक विविधताओं के कारकों से संबंधित वर्गीकरण पर आधारित है। इसमें प्रेक्षित किए गए विशेष रूप से तापमान तथा वर्षण से संबंधित आँकड़ों का इस्तेमाल होता है।

16. उच्च पर्वतीय जलवायु- विश्व के अधिक ऊंचे पर्वतों पर पाई जाती है। उच्च भूमि जलवायु भौम्याकृति द्वारा नियंत्रित होती है। ऊँचे पर्वतों में थोड़ी-थोड़ी दूरियों पर मध्यमान तापमान में भारी परिवर्तन पाया जाता है। उच्च भूमियों में वर्षण के प्रकार व उनकी गहनता में भी स्थानिक अंतर पाए जाते हैं। पर्वतीय वातावरण ऊँचाई के साथ बदलते रहते हैं।

17. कोपेन ने जलवायु के वर्गीकरण के लिए बड़े और छोटे अक्षरों का इस्तेमाल किया। बड़े अक्षर द्वारा जलवायु प्रकारों को और छोटे अक्षर द्वारा जलवायु के उपप्रकारों को व्यक्त करते हैं। बड़े A, C, D तथा E आर्द्र जलवायु को तथा B शुष्क जलवायु को निरूपित करते हैं। वर्षा की मौसमी एवं जलवायु समूहों को तापक्रम विशेषताओं के आधार पर कई उपप्रकारों में वर्गीकरण किया गया है, जिनको छोटे अक्षरों द्वारा प्रदर्शित गया है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

18.

1. भूमध्य सागरीय जलवायु वह जलवायु है जो भूमध्य सागर के निकटवर्ती क्षेत्र में व्यापक है।
2. भूमध्य सागर के अलावा कैलिफ़ोर्निया के तटवर्ती क्षेत्र, पश्चिमी और दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया के कुछ क्षेत्र, दक्षिणपश्चिमी दक्षिण अफ्रीका और मध्य चिली में भी इस प्रकार की मौसमी परिस्थितियाँ मिलती हैं। इन इलाक़ों में हल्की ठंड व वर्षा वाली शीतऋतु और मध्यम गरमी वाली व शुष्क ग्रीष्म ऋतु होती है।
3. भूमध्यसागरीय जलवायु भूमध्य सागर के चारों ओर तथा उपोष्ण कटिबंध से 30° से 40° अक्षांशों के बीच महाद्वीपों के पश्चिमी तट के साथ-साथ पाई जाती है।
4. इस प्रकार उष्ण व शुष्क गर्मियाँ तथा मृदु एवं वर्षायुक्त सर्दियाँ इस जलवायु की विशेषताएँ हैं। ग्रीष्म ऋतु में औसत मासिक तापमान 25° सेल्सियस के आस-पास तथा शीत ऋतु में 10° सेल्सियस से कम रहता है।
5. इस जलवायु में वार्षिक वर्षा 35 से 90 से.मी. के बीच होती है।

19. उष्ण कटिबंधीय आर्द्र जलवायु में तापांतर बहुत कम होता है क्योकि यह विषुवत रेखा के निकट पाई जाती है। इस प्रकार के जलवायु प्रदेश में तापमान सामान्य रूप से ऊँचा तथा वार्षिक तापांतर नगण्य होता है अर्थात् यहाँ पर सालों भर गर्मी पड़ती है तथा सालों भर वर्षा होती है। किसी भी दिन अधिकतम तापमान लगभग 30° सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान लगभग 20° सेल्सियस होता है। लेकिन वार्षिक ताप में अंतर बहुत कम पाया जाता है।

20. ग्रीनहाउस प्रभाव से विश्व के तापमान में वृद्धि हो रही है, जिस भूमंडलीय ऊष्मन कहते हैं।

भूमंडलीय ऊष्मन के प्रभाव निम्नलिखित हो सकते हैं-

i. भूमंडलीय ऊष्मन के दुष्प्रभाव जीवन पोषक तंत्र को कुप्रभावित कर सकते हैं।

ii. पिछले सौ वर्षों में पृथ्वी का तापमान लगभग 2° सेंटीग्रेड बढ़ गया है।

iii. बढ़ती हुई मौतों और आर्थिक नुकसान, जो की अतिवादी मौसम के कारण संभावित हैं, बढती हुई जनसँख्या के कारण और भी बदतर हो सकते हैं।

iv. भूमंडलीय ऊष्मन से पृथ्वी का तापमान बढ़ता जा रहा है, अगर इसी तरह तापमान बढ़ता रहा तो आने वाले समय में अंटार्कटिका की बर्फ, हिमटोपियों और हिमनदियों की बर्फ पिघल जाएगी, जिससे समुद्र का स्तर ऊपर उठ जाएगा, जिससे कई प्रमुख तटवर्ती नगर डूब जाएँगे।

v. भूमंडलीय ऊष्मन के दुष्प्रभाव से ओज़ोन परत में छेद होने लगे हैं जो हमें सूर्य की घातक पराबैंगनी किरणों से बचाती है। अगर इसी तरह ओज़ोन परत का ह्रास होता गया तो आने वाले समय में मनुष्य का जीवन खतरे में पड़ सकता है।

vi. एक अध्ययन की भविष्यवाणी के अनुसार 2050 तक 18% से 35% पशु और पौधों की प्रजातियाँ विलुप्त हो जाएँगी।

21. ज्वालामुखी क्रिया जलवायु परिवर्तन का महत्त्वपूर्ण कारक है। ज्वालामुखी उद्भेदन वायुमंडल में बड़ी मात्रा में एरोसॉल फेंक देता है। ये एरोसॉल लंबे समय तक वायुमंडल में विद्यमान रहते हैं और पृथ्वी की सतह पर पहुँचने वाले सौर्थिक विकिरण को कम कर देते हैं। हाल ही में हुए पिनाटोबा तथा एल सियोल ज्वालामुखी उद्भेदनों के बाद पृथ्वी का औसत तापमान कुछ हद तक गिर गया था। पृथ्वी की सतह का 80 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा ज्वालामुखियों के फटने का नतीजा है। इनसे निकला लावा करोड़ों साल पहले जम गया होगा और इससे जमीन की सतह बनी होगी। समुद्र तल और कई पहाड़ भी ज्वालामुखी के लावा की देन हैं। ज्वालामुखी से निकली गैसों से वायुमंडल की रचना हुई।

मिशन ज्ञान
पढ़ो जब चाहो, जहाँ चाहो, जैसा चाहो!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES